Tender Heart High School, Sector-33-B, Chandigarh.

कक्षा- नौवीं

विषय - हिन्दी व्याकरण
शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

पुस्तक : सरस हिन्दी व्याकरण - नौ एवं दस

उपविषय - भाववाचक संज्ञा

सुप्रभात प्यारे बच्चो !

आज हम कक्षा नौवीं की हिन्दी व्याकरण की पाठ्यपुस्तक सरस हिन्दी व्याकरण भाग नौ एवं दस की पृष्ठ संख्या 220 पर दी 'भाववाचक संज्ञा बनाना' सीखेंगे ।

प्यारे बच्चो ! आज हम भाववाचक संज्ञा बनाना सीखेंगे इसलिए आपके पास अपनी-अपनी व्याकरण की पुस्तक एवं उत्तर-पुस्तिका का होना आवश्यक है। आप अपनी पुस्तक की पृष्ठ संख्या 220 खोल लें और पढ़ने के लिए तैयार हो जाएँ। मैं पाठ के बीच-बीच में आपसे कुछ प्रश्न भी पूछूँगी । प्रश्न सुनकर आप अपनी ऑडियो को तीन मिनट के लिए रोक देंगे और उन तीन मिनट में आपको पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं। उन प्रश्नों के उत्तर आप तभी दे पाएँगे यदि आप अपना ध्यान विषय पर ही केन्द्रित रखेंगे। आशा करती हूँ कि अब आप पढ़ने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

बच्चो ! सबसे पहले यह जान लेते हैं कि भाववाचक संज्ञा किसे कहते हैं। जिन संज्ञा शब्दों से किसी प्राणी या वस्तु की स्थिति, भाव और दशा आदि का पता चलता है, उन्हें भाववाचक संज्ञा कहते हैं जैसे - सत्य, मिथ्या, बचपन, बुढ़ापा, मानवता, हिंसा, भाईचारा, मित्रता, सर्दी-गर्मी, खुशी,

सुगंध आदि। भाववाचक संज्ञाओं की रचना पाँच प्रकार के शब्दों से की जा सकती है।
(i) जातिवाचक संज्ञा से (ii) सर्वनाम से (iii) विशेषण से (iv) क्रिया से (v) अव्ययों अथवा अविकारी शब्दों से।

भाववाचक संज्ञाएँ मूल शब्द नहीं होती हैं। ये संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण तथा क्रियाओं में ई, त्व, ता, पन, पा, आवट, आहट, त्य आदि प्रत्यय लगाकर बनाई जाती हैं। जैसे :-

शब्द		प्रत्यय		भाववाचक संज्ञा
लंबा	+	ई	=	लंबाई
प्रभु	+	त्व	=	प्रभुत्व
पशु	+	ता	=	पशुता
तीखा	+	पन	=	तीखापन
मोटा	+	पा	=	मोटापा
थकना	+	आवट	=	थकावट
घबरा	+	आहट	=	घबराहट
पंडित	+	त्य	=	पांडित्य

बच्चो! अब आपकी पुस्तक की पृष्ठ संख्या 22। पर दिए क संज्ञा शब्दों से बनी भाववाचक संज्ञाएँ बनाना सीखेंगे। आपका ध्यान इस ओर ही केन्द्रित होना चाहिए।

क संज्ञा शब्दों से बनी भाववाचक संज्ञाएँ

संज्ञा	भाववाचक संज्ञा	संज्ञा	भाववाचक संज्ञा
अतिथि	आतिथ्य	सज्जन	सज्जनता
अमर	अमरत्व	मित्र	मित्रता
ईश्वर	ऐश्वर्य	शिशु	शिशुता / शैशव
कुमार	कौमार्य		
चोर	चोरी	बाल	बालपन

कक्षा- नौवीं शिक्षिका- श्रीमती कल्पना शर्मा

विषय- हिन्दी व्याकरण (भाववाचक संज्ञा)

संज्ञा	भाववाचक संज्ञा	संज्ञा	भाववाचक संज्ञा
मनुष्य	मनुष्यत्व / मनुष्यता	भाई	भाईचारा
दास	दासता	राष्ट्र	राष्ट्रीयता
आदमी	आदमीयत	प्रभु	प्रभुत्व / प्रभुता
इंसान	इंसानियत	बच्चा	बचपन
कृषक	कृषि	ब्राह्मण	बाह्मणत्व
कारीगर	कारीगरी	वीर	वीरता
चिकित्सक	चिकित्सा	लड़का	लड़कपन

बच्चो ! अब मैं आपसे कुछ प्रश्न पूछूँगी। प्रश्न सुनकर आप अपनी ऑडियो को तीन मिनट के लिए रोक देंगे। उस तीन मिनट के अन्तर्गत ही आपको उन प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं। प्रश्न इस प्रकार हैं :-

प्रश्न 1. भाववाचक संज्ञाओं की रचना कितने प्रकार के शब्दों से की जा सकती है ?

प्रश्न 2. संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण तथा क्रियाओं में कौन से प्रत्यय लगाकर भाववाचक संज्ञाएँ बनाई जाती हैं।

प्रश्न 3. निम्नलिखित शब्दों को भाववाचक संज्ञा में परिवर्तित कीजिए :-
(क) कारीगर (ख) दास (ग) भाई (घ) वीर।

प्रश्न 4. कोष्ठक में दिए गए शब्दों को भाववाचक संज्ञा में परिवर्तित कर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए :-
(क) सभी लोग उसकी ------ का आदर करते हैं। (सज्जन)
(ख) आज कल के लोगों में ------ बिल्कुल नहीं है। (इंसान)

बच्चो! प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए दी गई तीन मिनट की अवधि अब समाप्त हो चुकी है। आशा करती हूँ कि आपने पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिख लिए होंगे। अब मैं आपको उन्हीं प्रश्नों के उत्तर बता रही हूँ, जो इस प्रकार हैं :-

उत्तर 1. भाववाचक संज्ञाओं की रचना पाँच प्रकार के शब्दों से की जा सकती है :- (i) जातिवाचक संज्ञा से (ii) सर्वनाम शब्दों से (iii) विशेषण शब्दों से (iv) क्रिया से (v) अव्ययों अथवा अविकारी शब्दों से।

उत्तर 2. संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण तथा क्रियाओं में ई, त्व, ता, पन, पा, आवट, आहट आदि प्रत्यय लगाकर भाववाचक संज्ञा बनाई जाती है।

उत्तर 3. निम्नलिखित शब्दों को भाववाचक संज्ञा में परिवर्तित कीजिए :-

(क) कारीगर - कारीगरी (ख) दास - दासता
(ग) भाई - भाईचारा (घ) वीर - वीरता।

उत्तर 4. कोष्ठक में दिए गए शब्दों को भाववाचक संज्ञा में परिवर्तित कर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए :

(क) सभी लोग उसकी सज्जनता का आदर करते हैं
(ख) आजकल के लोगों में इंसानियत बिलकुल नहीं है।

बच्चो! अब हम आगे दी संज्ञा शब्दों से भाववाचक संज्ञाएँ बनाना सीखेंगे। आपका ध्यान इसी ओर केन्द्रित रहना चाहिए।

संज्ञा	भाववाचक संज्ञा	संज्ञा	भाववाचक संज्ञा
मानव	मानवता	स्वामी	स्वामित्व
देव	देवत्व	साधु	साधुता

संज्ञा	भाववाचक संज्ञा	संज्ञा	भाववाचक संज्ञा
नारी	नारीत्व	भ्राता	भ्रातृत्व
पुरुष	पुरुषत्व	शत्रु	शत्रुता
बालक	बालकपन	सेवक	सेवा
व्यक्ति	व्यक्तित्व	रंग	रंगत
वकील	वकालत	बूढ़ा	बुढ़ापा
पंडित	पांडित्य / पंडिताई	नृप	नृपत्व
सुजन	सौजन्य	प्रतिनिधि	प्रतिनिधित्व

ख) सर्वनाम शब्दों से बनी भाववाचक संज्ञाएँ

सर्वनाम	भाववाचक संज्ञा	सर्वनाम	भाववाचक संज्ञा
अहम्	अहंकार	अपना	अपनत्व
पराया	परायापन	मम	ममता
सर्व	सर्वस्व	निज	निजता
स्व	स्वत्व		

बच्चो! आज हमने संज्ञा एवं सर्वनाम शब्दों से बनी भाववाचक संज्ञाएँ बनाना सीखा है। आशा है कि आपने ध्यानपूर्वक सुना एवं समझा होगा। संज्ञा एवं सर्वनाम शब्दों से बनी भाववाचक संज्ञाएँ आप दो - तीन बार ऊँचे स्वर में पढ़ेंगे। अब मैं आपको गृहकार्य देने जा रही हूँ। इस कार्य को हिन्दी विषय पढ़ने वाले सभी छात्रों के लिए करना अनिवार्य है।

गृहकार्य

कक्षा - नौवीं शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

विषय - हिन्दी व्याकरण (भाववाचक संज्ञा)

Date 02.05.2022
Page 6

सभी छात्र अपनी पुस्तक की पृष्ठ संख्या 220 एवं 221 पर दिए (क) संज्ञा शब्दों से बनी भाववाचक संज्ञाएं तथा (ख) सर्वनाम शब्दों से बनी भाववाचक संज्ञाओं को अपनी - अपनी व्याकरण की उत्तर - पुस्तिका में लिखेंगे एवं याद भी करेंगे। सभी छात्र इस कार्य को सुन्दर लिखाई में करेंगे।

धन्यवाद।

[अंतिम पृष्ठ]